मनरेगा लुटेरे राजनीतिक आका की शरण में पहुंचे

मनरेगा लुटेरों को बचाने के लिए विचार विमर्श करते मंत्री कृष्णपाल गूर्जर, साथ बैठी है मुख्य आरोपी महिला बीडीपीओ उपमा अरोड़ा।

पलवल (म.मो.) जिला पलवल में उजागर हुए मनरेगा घोटालेबाज बीते रविवार को अपने आका के पास पहुंचे । इस घोटाले की विजिलेंस जांच में नित नए नए कारनामे निकल कर बाहर आ रहे हैं। हालाँकि इस घोटाले की जांच सरकार को शिकायतकर्ता व स्थानीय मिडिया की सक्रियता के चलते करवानी पड़ रही है। अन्यथा जब महीने भर पहले उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला पलवल आये थे तब उन्होंने पत्रकार वार्ता में ऐसा कोई घोटाला होने से ही मना कर दिया था। लेकिन पत्रकारों द्वारा दिखाई गई सक्रियता के चलते उनकी प्रेस कांफ्रेंस के बीच ही उनको प्रमाण दिखाए जाने पर इसकी जांच के लिए मजबूर होना पड़ा । अब इस मनरेगा घोटाले की जांच को यदि सही निष्पक्ष होने दिया जाये तो ये घोटाला कई करोड़ रुपये का निकलेगा । इसकी जांच में विजिलेंस की सक्रियता से घबराकर घोटालेबाज अपने आकाओं की शरण में पहुँच गए हैं ।

इसी कड़ी में ये लोग गत रविवार को अपने आका केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के दरबार में अपनी गर्दन को बचाने की गुहार लगाने के लिए पहुंचे । इन लोगों की अगुवाई पलवल जिले के गाँव औरंगाबाद का सरपंच हरदीप कर रहा था मजदूर मोर्चा ने जब इस हरदीप सरपंच के कार्यकाल के बारे में पड़ताल की तो उसके बारे में जानकारों ने बताया कि इसने भी अपने कार्यकाल में अनेक घोटाले किये हैं यदि इसके कार्यकाल में दर्शाए गए खर्च की जांच करवाई जाये तो लाखों रुपये का घोटाला सामने आ सकता है । मजदूर मोर्चा के पास इसके मनरेगा में ग्राम सचिव व बीडीपीओ की संलिप्तता में बिना काम के लाखों रुपये के गबन के प्रमाण हैं ।

वर्ष 2011-12 में मनरेगा में रु 467565-दलित व पिछड़े वर्ग के लोगों को आवंटित सौ सौ गज के प्लाटों के रास्तों में मिट्टी डलवाने के नाम पर दिखाकर खर्च की हुई दिखाई है। जबकि ये तथाकथित मिट्टी डलवाने का काम हुआ ही नही । इसके अलावा इसने 2011-2012 मार्च तक लगभग तीस लाख रुपये खर्च किये हुए दिखाए हैं जबकि उसमे से अनेक कार्य या तो हुए ही नहीं या उनमे खर्च की गई राशि बढ़ा-चढ़ा कर दिखाई गई है। गऊघाट बनवाने का घोटाला तो उस समय खुद विजिलेंस के इंस्पेक्टर सुरेश द्वारा सत्तारूढ़ कांग्रेसी विधायकों के दबाब में दबा दिया था ।

यदि उस केस की जांच आज भी की जाये तो इसके गबन की असलियत सामने आ सकती है इसके द्वारा किये गए गबन की शिकायत उस समय ग्राम पंचायत के एक निर्वाचित सदस्य द्वारा मुख्यमंत्री तक कई बार की गई थी लेकिन उस समय के दो सत्ताधारी विधायकों ने इसके कारनामों की जांच भी नही होने दी । 2019 के विधान सभा चुनावों तक ये उदयभान के साथ था लेकिन उदयभान की हार के बाद इसने पाला बदल कर अपने कारनामों से बचने को कृषणपाल गुज्जर की जी हजूरी करनी शुरू कर दी। अब देखना यह है कि विजिलेंस विभाग क्या इन घोटालेबाजों के लीडर हरदीप के कार्यकाल की भी जांच करेगा?

केवल पाठकों के दम पर चलने वाले इस अखबार को सहयोग देकर इसकी आवाज को बुलंद रखें।

मज़दूर मोर्चा- खाता संख्या-451102010004150
IFSC Code : UBIN0545112
Union Bank of India, Sector-7, Faridabad

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।
2. रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन
3. एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।
4. जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207
5. राम खिलावन-बल्लबगढ़ बस स्टैंड के सामने 9891164794
6. मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919
7. सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421

बिजली कर्मचारी थर्मल बाटा रोड यूनिट यूनियन का चुनाव सम्पन्न

फ़रीदाबाद (लेखराज चौधरी) हरियाणा कर्मचारी महासंघ स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर यूनियन का त्रिवार्षिक चुनाव 30/5/2022 को सम्पन्न हुआ। थर्मल बाटा रोड स्थित एचवीपीएन 66 केवी सब स्टेशन ए-2, पर सर्कल सचिव संतराम लाम्बा, राजेश तेजपाल व अन्य चुनाव अधिकारी उपस्थित रहे।

एनआईटी फ़रीदाबाद यूनिट के प्रधान विनोद कुमार शर्मा,व यूनिट के सचिव वृजपाल तंवर की देख-रेख में चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से हुए। इसमें सब स्टेशन के सभी स्टाफ़ मेम्बरान ने बिना मतभेद के अपनी बॉडी का चयन किया और जेई हरिशंकर को प्रधान, विपिन एलडीसी को उपप्रधान, जेई मनोज कुमार को सचिव, जीएसओ मनोज सिंह को सहसचिव, एसए विनोद कुमार को कैशियर, जीएसओ श्रीमती तरनसुम को संगठनकर्ता नम्बर-एक, एसए राजेश कुमार को संगठनकर्ता नम्बर-दो एवं एएलएम संतोष कुमार को संगठनकर्ता नम्बर तीन के पद पर एक मत होकर चुना।

इस दौरान दूसरी यूनियन को छोड़कर आये जेई मनोज कुमार ओसवाल पावर हाउस ने एचएसईबी वर्कर यूनियन की सदस्यता ग्रहण की। दूसरी ओर सेक्टर 6 स्थित 66 केवी सब स्टेशन ईदगाह पर चुनावी प्रक्रिया में बल्लबगढ़ के प्रधान कर्मवीर यादव ने अपने साथियों सहित चुनाव करवाते हुए सभी कर्मचारियों की सर्वसम्मति से जेई नरोत्तम को प्रधान, जेई धर्मबीर को उपप्रधान, जीएसओ राजीव को सचिव, एसए जगराम को कैशियर पद पर चुना।

सब यूनिट बॉडी के लिये चुने गए सभी नए पदाधिकारियों को उच्च नेताओं ने संगठन के प्रति गोपनीयता की शपथ दिलाते हुए आगामी तीन वर्ष के कार्य काल को समर्पित रहकर काम करने को कहा। चुनावी कार्यक्रम

के इस मौके पर धीर सिंह, पुष्पेंद्र, अशोक राठी, सोनू गोला, मुकेश शर्मा, हरिनिवास, शौकीन खान, राजेश कुलदीप, देशराज, सियाराम आदि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

इसी के साथ-साथ सबडिविजन ओल्ड फरीदाबाद, मथुरा रोड एचएसईबी वर्कर यूनियन का त्रिवार्षिक चुनाव भी 31/5/2022 को सम्पन्न हो गया। ये एचएसईबी वर्कर यूनियन केन्द्रीय परिषद नेता सतीश छाबड़ी, सर्कल सचिव सन्तराम लाम्बा, यूनिट प्रधान लेखराज चौधरी व यूनिट सचिव जय भगवान की मौजूदगी में कराये गये। जिसमें प्रधान पद के लिये सुरेन्द्र सिंह लाइनमैन, उपप्रधान पद पर विजय कुमार लाइनमैन, सचिव नितिन लाइनमैन, सहसचिव प्रेमचन्द डीईओ कैशियर, अशोक कुमार फोरमैन, संगठनकर्ता नम्बर एक पर धर्मनाथ सहायक लाइनमैन, संगठनकर्ता नम्बर दो पर भानुप्रताप डीईओ, संगठनकर्ता नम्बर तीन धर्मेंद्र सहायक लाइनमैन, संगठनकर्ता नम्बर चार पर राजेन्द्र सहायक लाइनमैन को बिना किसी विरोध के सर्वसम्मति से चुना गया।

इस कड़ी में हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम संगठन के विस्तार को देखते हुए 25 कर्मचारी आल हरियाणा पावर कार्पोरेशन वर्कर यूनियन को छोड़ स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड वर्कर यूनियन के सदस्य बने।

दूसरे राऊंड के चुनाव में 220 केवीऐ-थ्री एचवीपीएन पॉवर हाउस के चुनाव में लालकिशन जीएसओ को प्रधान, लवकेश एसए को उपप्रधान, विजय एसए को सचिव, सोनू एसओ को सहसचिव, विजेन्द्र एसए को कैशियर व उदय एसए को संगठनकर्ता पद पर कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से चुना। सभी नए चुने गए पदाधिकारियों को संगठन के प्रति गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

चुनाव कार्यक्रम के मौके पर बल्लबगढ़ प्रधान कर्मवीर यादव, एनआईटी प्रधान विनोद शर्मा व सचिव बृजपाल, सोनू गोला, राजबीर, सुरेन्द्र, धीरसिंह, सुमेश, जिलेसिंह,पुष्पेंद्र, प्रीतम, ब्रह्मप्रकाश, मोहपाल आदि उपस्थित रहे।

ओल्ड फरीदाबाद की सैक्टर-19 सबडिविजन में भी यूनियन का चुनाव सम्पन्न हुआ इसमें सुमन्त कुमार लाइनमैन को प्रधान, विपिन कुमार सहायक लाइनमैन को उपप्रधान, वेदप्रकाश सहायक लाइनमैन को सचिव, कुलदीप सिंह सहायक लाइनमैन को सहसचिव, राजू सहायक लाइनमैन को कैशियर, भगतसिंह सहायक लाइनमैन चुना गया।

नगर निगम के लिये बने मुसीबत बीपी स्कूल के नन्हे वैज्ञानिक

फ़रीदाबाद (म.मो.) गरीबों की बस्ती संजय कॉलोनी में स्थित बीपी वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल के छात्रों ने अपनी वैज्ञानिक समझ एवं मेहनत के बल पर एक ऐसा चिप तैयार किया है जिसे सीवर के ढक्कन के लगा देने से उसका टेलिफोनिक कनेक्शन 100 नम्बरों तक से जुड़ जाता है। ढक्कन के टूट जाने अथवा चोरी हो जाने पर उक्त टेलिफोन नम्बरों पर स्वत: सूचना पहुंच जायेगी। इसका अर्थ यह हुआ कि ज्यों ही किसी मैन होल का ढक्कन हटेगा तो नगर निगम को सूचना मिल जायेगी। सूचना पाकर तुरन्त नया ढक्कन लगा दिया जायेगा।

बच्चे बड़े ही भोले, नादान व ईमानदार सोच वाले होते हैं। खुले मैन होलों में आये दिन होने वाली दुर्घटनाओं से अभिभूत होकर इन बच्चों ने मान लिया होगा कि नगर निगम वालों को पता ही नहीं चलता होगा कि उनके मैन होल कहां-कहां खुले पड़े हैं। इसलिये उन्होंने यह आविष्कार कर डाला।

दरअसल नगर निगम और बच्चों की सोच में फ़र्क है। नगर निगम को शहर भर के चप्पे-चप्पे में हो रहे किसी भी काम की पूरी जानकारी रहती है। शहर की किसी भी गली में एक ईंट भी लगती है तो निगम के लुटेरे अधिकारी वहां वसूली करने पहुंच जानते हैं। ऐसे में क्या भला उन्हें खुले मैन होल की जानकारी न हो पाती होगी? खूब हो पाती है, वे सब जानते हैं। दिक्कत केवल यह है

नन्हे वैज्ञानिक बधाई के पात्र लेकिन निगम के लिए बेकार

कि काम नहीं करना, और वह काम तो बिल्कुल नहीं करना जिससे लूट कमाई न होती हो। अब बच्चों ने यह अविष्कार करके उनके लिये मुसीबत पैदा कर दी है कि वे यह नहीं कह पायेंगे कि उन्हें तो खुले मैन होल का पता ही न चला। इसलिये बड़ी सम्भावना है कि बच्चों के इस आविष्कार को प्रयोग में ही न लाया जाय। वैसे यह भी जरूरी नहीं कि चिप द्वारा सूचना मिलते ही मैनहोल पर ढक्कन लग जाये।

उक्त आविष्कार की अपेक्षा पहले से ही अविष्कृत भारतीय दण्ड संहिता की धाराओं को यदि सही ढंग से पूरा-पूरा इस्तेमाल किया जाय और खुले मैनहोल से होने वाली दुर्घटना के लिये सम्बन्धित अधिकारियों को तुरन्त से पहले हवालात में दे दिया जाय तो कोई भी मैनहोन बिना ढक्कन के नहीं रह पायेगा। हालांकि खोजी बच्चे बधाई के पात्र हैं।